पाठ्य परिचय(Handout) भारतजनताऽहम् 2

प्रस्तुत कविता आधुनिक कविकुलशिरोमणि डॉ० रमाकान्त शुक्ल द्वारा रचित काव्य 'भारतजनताऽहम्' से साभार उद्धृत है। इस कविता में कवि भारतीय जनता के सरोकारों, विविध कौशलों, विविध रुचियों आदि का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि भारतीय जनता उत्सवों से प्रेम करने वाली, परिश्रम (मेहनत) से प्रेम करने वाली, देश में भ्रमण से प्रेम करने वाली , लोक-खेलों पर मोहित होने वाली अतिथियों को देवता की तरह समझने वाली, मित्रता जिसकी सामान्य आदत (स्वभाव) है, मित्र की दृष्टि से संसार को देखती हुई,सम्पूर्ण विश्व में गई हुई. सम्पूर्ण विश्व में कार्य (कर्म) करती हुई कर्मशील भारत की जनता है ।